PARIVARTAN
परिवर्तन

मई 2026 अंक 2, खंड 10

# परिवर्तन पत्रिका

समुदाय के लिए तक्षशिला की एक पहल

ग्राम एवं पो. नरेन्द्रपुर, प्रखण्ड: जीरादेई, जिला: सिवान-841 446 बिहार | मोबाइल : +91 8434170118 | Email : Info@parivartanbihar.org

## नए खिलाड़ियों का आना, कबड्डी के बेहतर भविष्य का संकेत है

परिवर्तन अपने प्रारंभिक काल से ही युवाओं को खेल के प्रति रूचि बढ़ाने एवं उन्हें खेल के क्षेत्र में आगे ले जाने हेतु प्रयासरत है। इसी प्रयास के अंतर्गत परिसर में एक एक करके कई खेलों का नियमित अभ्यास शुरू किया गया है। प्रारंभ से अभी तक की यात्रा को देखने पर यह महसूस होता है कि प्रयास सफल हो रहा है। प्रारंभ में तो एक बच्चे को जोड़ना ही काफी चुनौतीपूर्ण कार्य था पर आज सैकड़ों बच्चे इससे जुड़कर नियमित अभ्यास कर रहे हैं एवं अपने क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं चाहे वो फुटबॉल की बात हो, कबड्डी की बात हो, साइक्लिंग हो, गाँव में चलने वाले खेल सत्र या विद्यालय में चलने वाला नेतृत्व प्रशिक्षण हो सभी में बच्चे बेहतर प्रदर्शन कर रहे हैं।

वैसे तो कबड्डी अनेक प्राचीन खेलों में से एक है जो गाँव में पहले काफी पसंद किया जाता था या खेला जाता था पर आज दृश्य थोड़ा विपरीत है। लोग इसे कम पसंद कर रहे हैं। इसके पीछे सैकड़ो कारण होंगे लेकिन परिवर्तन ने इसी बात को करीब से महसूस किया है एवं इस पारंपरिक खेल को बढ़ावा देने एवं इसे पुनर्जीवित करने के संकल्प के साथ वर्ष 2018 में पहली बार एक बड़े स्तर के पंचायत कबड्डी महामुकबला का आयोजन किया । इस कार्यक्रम हेतु बड़े स्तर पर पंचायतों में शिविर लगाकर खिलाड़ियों का चयन हुआ जिसके बाद कुशल प्रशिक्षक द्वारा उनका नियमित प्रशिक्षण कराया गया। तत्पश्चात इन सभी आठों पंचायतों के खिलाड़ियों का आपसी मुकाबला आयोजित हुआ। इस मुकाबले के बाद इन आठों पंचायतों में कबड्डी प्रेमियों का खासकर युवा वर्ग का कबड्डी के प्रति झुकाव दिखा। इनकी जरूरतों को देखते हुए परिवर्तन द्वारा एक कुशल कबड्डी प्रशिक्षक को बहाल किया गया एवं यह यात्रा शुरू हो गयी। एक एक करके लड़के लड़कियां जुड़ते



चले गए। बीच में कई चुनौतियाँ आईं लेकिन वे क्षणिक रहीं। सबका हौसला मजबूत बना रहा और आज सैकड़ों लड़के लड़कियां नियमित अभ्यास में हैं और कई खिलाड़ी देश की कई स्तर की खेल प्रतियोगिताओं में अपना बेहतर प्रदर्शन भी कर चुके हैं।

दिनांक 1-3 मई 2026 तक पंचायत स्तर का बालक कबड्डी महामुकबला का आयोजन किया गया। इस मुकाबला में कुल 10 पंचायतों के खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस महामुकबला हेतु पहले पंचायत स्तर पर खिलाड़ी चयन अभियान एवं प्रशिक्षण अभियान चलाया गया उसके उपरांत इनका आपसी मुकाबला अलग अलग समुदाय में हुआ। फाइनल मुकाबला नरेन्द्रपुर दबंग एवं मियां भटकन जाँबाज के बीच हुआ जिसमें नरेन्द्रपुर टीम को विजेता होने का गौरव प्राप्त हुआ वहीं मियां भटकन टीम उप विजेता रही। तीसरे स्थान पर जमापुर की टीम रही। कुल मिलाकर कहा जाए तो इस मुकाबले में सभी टीमों ने अपना बेहतर प्रदर्शन किया। विजेता एवं उप विजेता टीम को परिवर्तन की तरफ से सम्मानित भी किया गया।



## छोटे छोटे प्रयोग एवं प्रयासों से ही बड़े प्रयोग की प्रेरणा मिलती है

परिवर्तन विज्ञानशाला द्वारा वर्तमान शैक्षणिक सत्र में कुल 10 एक दिवसीय विज्ञान कार्यशालाओं को आयोजित करने की योजना है जिसके अंतर्गत पहली एक दिवसीय विज्ञान कार्यशाला दिनांक 12.5.2026 को उच्च विद्यालय बलईपुर में आयोजित हुई। यह कार्यशाला परिवर्तन विज्ञानशाला के सहयोग से विद्यालय परिसर में आयोजित हुई जिसमें कक्षा नवीं एवं दसवीं के बच्चों ने भाग लिया। कार्यशाला लगभग साढ़े 3 घंटे तक चली। कार्यशाला में कुल 84 बच्चे शामिल रहे साथ हीं विज्ञान के एक शिक्षक ने भी सहभागिता की। कार्यशाला की तैयारी परिवर्तन विज्ञानशाला द्वारा विद्यालय एवं विज्ञान शिक्षक से बात कर की गयी थी जिसमें विज्ञानशाला से जुड़ी प्रयोग एवं गतिविधि सामग्री, संसाधन को ले जाकर विद्यालय परिसर में क्रियान्वयन किया गया। कार्यशाला में कुल मिलाकर 14 प्रयोग प्रदर्शित किये गए। बच्चों को कार्यशाला में खुलकर सहभागी बनने, सवाल पूछने, तर्क करने एवं विज्ञान के विस्तार एवं समझ को बनाने का अवसर प्रदान किया गया । हम इस तरह की एक दिवसीय कार्यशाला को अपने क्षेत्र के तमाम उच्च विद्यालयों तक ले जाने का प्रयास कर रहे हैं जिससे वहाँ पर विज्ञान के पठन पाठन में प्रयोग ,परीक्षण , चर्चा आदि शैलियों को शामिल किया जा सके और विद्यालयों की विज्ञान कक्षाओं में बदलाव लाया जा सके।





## आने वाले खरीफ सीजन के लिए किसान ने अपनी पूरी तैयार कर ली है

आगामी खरीफ सीजन की तैयारियों को लेकर परिवर्तन परिसर में 21 मई 2026 को एक दिवसीय खरीफ कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में क्षेत्र के कुल 106 किसान तथा 4 कृषि विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यशाला का शुभारंभ किसानों का स्वागत एवं खरीफ सीजन की चुनौतियों और संभावनाओं पर चर्चा के साथ किया गया। कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को धान, मक्का, दलहन एवं अन्य खरीफ फसलों की वैज्ञानिक खेती के विभिन्न पहलुओं की विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान धान की खेती में डायरेक्ट सीडेड राइस (DSR) तकनीक तथा फुलपेज तकनीक के उपयोग पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। विशेषज्ञों ने बताया कि डीएसआर तकनीक के माध्यम से धान की बुवाई सीधे खेत में की जाती है, जिससे पानी, श्रम और समय की बचत होती है। इसके अलावा यह तकनीक जल संरक्षण के साथ-साथ खेती को अधिक लाभकारी बनाने में भी सहायक है। जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों को ध्यान में रखते हुए किसानों को जलवायु अनुकूल फसलों के चयन और उनकी वैज्ञानिक खेती की विधियों के बारे में अवगत कराया गया। विशेषज्ञों ने मौसम की अनिश्चितताओं के बीच ऐसी फसलों को अपनाने की सलाह दी जो कम पानी एवं प्रतिकूल परिस्थितियों में भी बेहतर उत्पादन देने में सक्षम हों। कार्यशाला में उर्वरकों के विभिन्न वैकल्पिक स्रोतों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। किसानों को जैविक एवं अन्य उपलब्ध संसाधनों के उपयोग से मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने तथा रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने के उपाय बताए गए। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित किसानों के साथ पिछले खरीफ सीजन में सामने आई प्रमुख समस्याओं एवं चुनौतियों पर खुली चर्चा की गई। कृषि विशेषज्ञों ने इन समस्याओं के समाधान के लिए व्यावहारिक सुझाव दिए और किसानों के प्रश्नों का विस्तार से उत्तर दिया। एफपीओ परिवर्तन द्वारा किसानों की आवश्यकताओं एवं मांगों को भी संकलित किया गया। एफपीओ के प्रतिनिधियों ने बताया कि किसानों की मांगों के आधार पर आवश्यक सामग्री एवं सेवाओं को किसान सेवा केंद्र के माध्यम से उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। इस सफल आयोजन से किसानों में आगामी खरीफ सीजन के लिए नई तकनीकों को अपनाने, लागत कम करने तथा उत्पादन बढ़ाने के प्रति उत्साह बढ़ा।



## यह बैंड की आवाज नहीं, इन बहनों के हौसले की आवाज है

पिछले दिसम्बर के सर्द दिनों में जब महिला बैंड के लिए पहले बैच की 09 महिलाओं का प्रशिक्षण शुरू हुआ तो मन में कई आशंकाएं थीं। एक अभियान चलाकर करीब 50 महिलाओं से बात की गयी थी जो परिवर्तन के नजदीक के गाँवों से थीं। जिसमें से अंतिम तौर पर नरेन्द्रपुर गाँव से पांच और बाबू के भटकन गाँव से 04 महिलाएं प्रशिक्षण में आयी थीं। 06 दिनों के इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रशिक्षक नजरुद्दीन जी ने प्रशिक्षण के तीसरे दिन बीतते -बीतते यह कह दिया था कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम की सभी 09 महिलाओं को आगे जोड़े रखना आसान नहीं होने वाला है क्योंकि सभी महिलाओं ने अपने परिवार के सदस्यों विशेषकर अपने पति और पुत्र के विरोध के बारे में बताना शुरू कर दिया था। परिवर्तन ने उन्हें कई प्रकार से भरोसा दिया, उनके मनोबल को टूटने से बचाने की कोशिश की पर हमें बड़े भारी मन से एक महिला को बीच में ही छोड़ना पड़ा क्योंकि उसके पति और बेटे ने कहा है,- कि यदि वह बैंड में जायेगी तो हमारा मरा हुआ मुंह देखेगी।

और वह बढ़े हुए आत्मविश्वास के साथ अपने वाद्य यन्त्र बजा सकें और दूसरा किसी भी परिस्थिति में अब और -किसी और महिला का मनोबल न टूटे। इसके साथ ही परिवर्तन ने यह कोशिश भी शुरू कर दी कि अब इन महिलाओं को अपने हुनर का प्रस्तुतीकरण करने का अवसर मिलना चाहिए। संयोग से यह अवसर उन्हें बीते 24 मार्च को चैती छठ में बैंड बजाने के रूप में प्राप्त हुआ। परिवर्तन से कम से कम 08 किलोमीटर दूर पकवालिया गाँव में जब यह बैंड पारंपरिक परिधान में छठ घाट तक करीब दो किलोमीटर तक बैंड बजाते हुए पहुंचा तो छठ घाट पर उपस्थित जन समूह एक बारगी उनकी तरफ उमड़ने लगा। लोगों ने इस प्रदर्शन की भरपूर सराहना की। कई लोगों ने बैंड के बारे में और जानकारी हासिल करने के लिए उन महिलाओं से बात की और अपनी शुभकामना व्यक्त की। 07 मई को यह बैंड जब पूजा मट्कोर के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए जमालपुर गया तो यह उनके लिए न केवल एक नए अनुभव का दिन साबित हुआ



प्रशिक्षण की समाप्ति के बाद यह तय किया गया था कि महिला बैंड के सदस्य अपने अभ्यास के लिए सप्ताह में दो दिन, दो घंटे के लिए परिवर्तन आएंगे और रंगमंडली के सदस्य रोज़ादीन के देख रेख में अभ्यास करेंगे। हम नियमित अभ्यास द्वारा दो चीजें हासिल करना चाहते थे,- पहला, उनके कौशल का विस्तार हो

बल्कि उन्हें वहां पहले से मौजूद एक पुरुष बैंड टीम के सामानांतर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी मिला। महिला बैंड के सदस्य न केवल वहाँ दिए गए अपने प्रस्तुतीकरण से खुश थे बल्कि यह सुनकर कि पुरुष बैंड के मेनेजर उन्हें अपनी टीम में शामिल होने की पेशकश कर रहे हैं वे गौरवान्वित भी महसूस कर रहे थे।

## पारंपरिक कहानियां हमें समाज से जोड़ती हैं



बच्चों को लोक कथाएं आकर्षित करती हैं। दादी नानी की सुनाई कहानियों, किस्सों से बच्चे अपने वातावरण और अपनी संस्कृति को समझते बूझते हैं। इसी सन्दर्भ मे सामुदायिक रंगमंच की बाल रंगमंडली लोक कथा,- खूँटे में मोर दाल है कि तैयारी कर रही है। इस प्रस्तुति से बच्चे अपने जानवरों, नदी-नालों, अपनी प्रकृति और बहुत सारी अन्य बातों के प्रति संवेदनशील होंगे। यह बालरंगमंडली की एक सांगीतिक नाट्य प्रस्तुति है, जिसे बच्चों द्वारा जल्द ही पेश किया जायेगा।

सामुदायिक रंगमंडली अपने बालरंगमंडली के बच्चों के समग्र विकास के लिए प्रयासरत है। बच्चों में रचनात्मक विकास हो, उनकी कल्पना में तार्किक शक्ति का विकास हो साथ ही साथ बच्चे अपनी अभिव्यक्ति को नाटकों और गीतों के माध्यम से अन्य बच्चों तक पहुँचायें। बच्चों द्वारा जल्द ही इसकी प्रस्तुति की जाएगी।

## आगे आने वाले प्रमुख कार्यक्रम

**कमाल का कैंप समर कैंप (15-20 जून 2026):** प्रत्येक वर्ष विद्यालयों के ग्रीष्मावकाश के दौरान परिवर्तन द्वारा कमाल का कैंप समर कैंप आयोजित किया जाता है। इस वर्ष भी यह कैंप आने वाले 15-20 जून 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। इस वर्ष के कैंप में कुल 13 गतिविधियों का सञ्चालन होना है जिसमे विशेषज्ञ के रूप में डीपीएस पटना के शिक्षक परिवर्तन आयेंगे। यह शिविर परिवर्तन परिसर के अलग अलग स्थान पर आयोजित होगा।

**बकरी पालन प्रबंधन प्रशिक्षण (18 जून 2026):** इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन परिवर्तन परिसर में किया जायेगा जिसमें महिला किसान को बकरी पालन की आधुनिक तकनीक एवं उसके लिए आवश्यक सभी पहलुओं की तैयारी के बारे में बताया जायेगा। इसमें बकरी पालन के विशेषज्ञ द्वारा प्रशिक्षण दिया जायेगा।

**विश्व संगीत दिवस सह नुक्कड़ प्रदर्शन (21 जून 2026):** इस वर्ष विश्व संगीत दिवस स्थानीय ग्राम गोंठी में मनाया जाएगा। इस कार्यक्रम में स्थानीय कलाकार भाग लेंगे एवं इसमें एक नुक्कड़ की प्रस्तुति भी होगी ।

**कबड्डी विडियो सत्र (21 जून 2026):** कबड्डी कौशल को बढ़ावा देने एवं अन्य टीम के कौशल को समझने समझाने के उद्देश्य से कबड्डी विडियो सत्र का आयोजन परिवर्तन परिसर में किया जायेगा जिसमें देश दुनिया में कबड्डी के क्षेत्र में किये जा रहे अच्छे प्रयासों से बच्चों को रूबरू करवाया जायेगा।

**दोस्ताना कबड्डी मैच (23 जून 2026):** कबड्डी कौशल को बढ़ावा देने एवं अन्य टीमों के कौशल को समझने समझाने के उद्देश्य से कबड्डी दोस्ताना मैच का आयोजन परिवर्तन परिसर में किया जायेगा जिसमें परिवर्तन टीम एवं गडार टीम का आपसी मुकाबला परिवर्तन के उड़ान खेल मैदान मे होगा।

**सामुदायिक पत्रिकालय परिचय सत्र (24 जून 2026):** इस सत्र का आयोजन परिवर्तन परिसर में किया जायेगा जिसमे अलग अलग 5 पंचायतों की चयनित किशोरियों को परिवर्तन में बुलाकर सामुदायिक पत्रिकालय के सञ्चालन हेतु आवश्यक मार्गदर्शन एवं सामग्री उपलब्ध करवाई जाएगी।

**बाल संसद वार्षिक कार्ययोजना निर्माण कार्यशाला (27 जून 2026):** अलग अलग कुल 11 मध्य विद्यालयों में गठित नए बालसंसद के सदस्यों के साथ इस कार्यशाला का आयोजन परिवर्तन परिसर में किया जायेगा जिसमें उन्हें अलग अलग मंत्रियों द्वारा विद्यालय स्तर पर किये जा सकने वाले कार्यों के प्रति मागदर्शन किया जायेगा।

**फुटबॉल विडियो सत्र (28 जून 2026):** फुटबॉल कौशल को बढ़ावा देने एवं अन्य टीमों के कौशल को समझने समझाने के उद्देश्य से फुटबॉल सत्र का आयोजन परिवर्तन परिसर में किया जायेगा। इस बार के सत्र में IWL लीग मैच के कौशल को दिखाया जायेगा।

**स्पिक मैके (1-4 जुलाई 2026):** स्पिक मैके संस्था के बैनर तले इस कार्यक्रम का आयोजन अलग - अलग विद्यालयों में कुल 8 सत्रों में किया जायेगा। इसबार की प्रस्तुति में शतविशा मुखर्जी आ रहे हैं।

**चित्रण कार्यशाला (7-11 जुलाई 2026):** बच्चों की सोचने की क्षमता बढ़ाने एवं उन्हें रचनात्मक बनाने हेतु इस कार्यशाला का आयोजन किया जायेगा। इस कार्यशाला में बाहर से प्रशिक्षक बुलाकर उन्हें चित्रण के कौशल से रूबरू करवाया जायेगा। इस कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय एवं समुदाय में किया जायेगा।